

बिहार चुनाव को लेकर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने किया दावा

एनडीए को पिछली बार से ज्यादा सीटें मिलेंगी

- अपना हित अच्छी तरह से जानती है बिहार की जनता
- पिछले 15-20 वर्षों में जनता ने राज्य में उल्लेखनीय प्रगति देखी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनाव में प्रथम चरण के लिए मतदान जारी है। इस बीच दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दावा किया है कि बिहार में एक बार फिर एनडीए की सरकार बनने का रही है। रेखा गुप्ता ने कहा कि बिहार की जनता निश्चित रूप से जानती है कि उनके हितों में क्या है। पिछले 15-20 वर्षों में उन्होंने राज्य में उल्लेखनीय प्रगति देखा है। वे जानते हैं कि बिहार का विकास केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, मुख्यमंत्री जेतीश कुमार की सरकार और एनडीए के मार्गदर्शन में ही संभव है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि



एनडीए यहां पूरा बहुमत की सरकार बनाएगी और पिछली बार से ज्यादा सीटें हासिल करेगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री ने बिहार चुनाव में पहले चरण के लिए मतदान शुरू होने से पहले मतदाताओं से बहु-चक्र वोट करने की अपील की। रेखा गुप्ता ने एएस पर पोस्ट किया, बिहार विधानसभा चुनाव के

पहले चरण में सभी सम्मानजन्य मतदाताओं से अपील है कि लोकतंत्र के इस महापर्व में पूरे उत्साह के साथ भाग लें। आपका एक-एक वोट विकसित बिहार के सपने को साकार करने की दिशा में अमूल्य योगदान देगा। पर से निकलें, मतदान करें और अपने परिवार व मित्रों को भी इस लोकतांत्रिक

दायित्व के लिए प्रेरित करें। पहले मतदान, फिर जलपान। इससे पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा सेना पर दिए गए बयान को लेकर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उन्हें आड़े हाथों लिया।

रेखा गुप्ता ने कहा कि राहुल गांधी देश का अपमान करते हैं, विदेशों में जाकर भारत की बुराई करते हैं, सेना पर सवाल उठाते हैं, भारत माता और सेना का अपमान करते हैं तथा प्रभु श्रीराम के अस्तित्व पर भी सवाल खड़े करते हैं। उन्होंने तर्ज करते हुए कहा कि उन्हें तालाब भरकर पानी की जरूरत नहीं, सुख पर पानी ही काफी है। दिल्ली की सीएम ने दावा किया कि इस बार जनता उन्हें करारा जवाब देकर बिहार में एनडीए की सरकार बनाएगी। रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री जेतीश कुमार की जोड़ी की सलाहना करते हुए कहा कि जब सभी तक देश की बेटियां खुले में शौच करने को मजबूर थीं, तब कोई लालटेन वाला नेता नहीं आया था। पीएम मोदी ने पूरे देश की बहनों के बारे में हितकारी कदम उठाए।

डीडीए की कार्रवाई करने की फर्जी नोटिस ने पैदा किया डर का माहौल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

शाहदा डिस्ट्रिक्ट और नार्थ ईस्ट दिल्ली डिस्ट्रिक्ट में लगे नोटिस की वजह से नन्द नगरी इलाके के चंद नगरी और शाहदा के खेड़ा गांव के झुग्गीझुगुनीयों में उस समय दहशत का माहौल पैदा हो गया जब बुधवार को उन्होंने इलाके में एक नोटिस लगा दिया जिसमें लिखा था कि 12 दिसंबर और 15 दिसंबर को डीडीए की तर्फ से कार्रवाई होगी। उन्होंने हटायी जाएगी।

नोटिस में बताया गया था, यह नोटिस नगर-निगम के उद्यान विभाग द्वारा लगाया गया है, जहाँकि इस नोटिस को पानंद वही सिंह नगर ने सिर से नकारते हुए कहा कि असामाजिक तत्वों द्वारा माहौल खराब करने के लिए इन नोटिस को नन्द नगरी इलाके के सुंदर नगरी और शाहदा के खेड़ा



■ अधिकारियों ने बताया कि चिपकाए गए नोटिस पूरी तरह फर्जी

गांव में लगाया गया, बुधवार को हुई मीटिंग में डीडीए के अधिकारियों ने इस संबंध में पूछा गया था तब उन्होंने कहा इस तरह के अंदोल से पहले गैजट निकाला जाता है और उनके बाद नोटिस बाँटे जाते हैं या चिपकाए जाते हैं, लेकिन यह नोटिस किसी असामाजिक तत्व द्वारा लगाया गया है जिनकी मंशा लोगों को भड़काना है।

चार साइबर अपराधिक गिरोहों का भंडाफोड़, छह आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की साइबर पंथमईकृत ने सप्ताह भर चले विशेष अभियान में चार अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराधिक गिरोहों का सफलतापूर्वक भंडाफोड़ किया है। इन कार्रवाई में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें कुल 34 लाख रुपये से अधिक की ठगी की राशि बरपद करने के सुराग मिले। अभियान के दौरान 7 मोबाइल फोन, 3 एटीएम कार्ड, 2 चेक बुक, 1 पासवर्ड और 2 सिम कार्ड बरपद हुए। यह कार्रवाई स्पेसिफिक विकास कुमार (बाना प्रवर्गी, साइबर वेस्ट) और सीनियर ऑफिसर सिह के नेतृत्व में डीसीपी पंथम शरद भास्कर दाराडे (आईपीएस) के पर्यवेक्षण में संपन्न हुई। सिवा (19 वर्ष, बेरोजगार, 8वीं पास) और पुनीत कुमार उर्फ साहिल (22 वर्ष, बेरोजगार, 12वीं पास) को गिरफ्तार किया गया। 8 जुलाई 2024 को एक विशिष्टता में पीठिन ने बताया कि फर्जी व्हाट्सएप वीडियो कॉल पर खुद को पुलिस अधिकारी बताकर मनी लॉन्ड्रिंग जाल के बहाने 11, 75, 228 रुपये की ठगी की गई। एएसआई अर्जुन सिंह, डेड कॉन्स्टेबल नरेश और कॉन्स्टेबल कविता की टीम ने तत्कालीन विशेषज्ञ से हरिजन बस्ती, कल्लभगढ़ से ठेकी को फकड़।

‘से हेल्प’ ऐप की मदद से दिल्ली पुलिस ने तोड़ा मानव तस्करी का रैकेट, 6 महिलाओं को बचाया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट ने आपुनिक तस्करी का कमावा डिस्ट्रिक्ट हू पाहाइज्ड इलाके में एक बड़े अंतर्गत तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ कर दिया। से हेल्प नामक वॉलस-एक्टिवेटेड एमरजेंसी ऐप के ज़रिए मिली सूचना पर पुलिस कार्रवाई करते हुए पुलिस ने गैलेक्सी स्पा को सील कर दिया। इस अभियान में छह महिलाओं को गुलामी की जंजीरों से मुक्त कराया गया, जबकि एक महिला रिसायनर को गिरफ्तार किया गया।



■ सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने गैलेक्सी स्पा किया सील

और ऐप की समर्पित टीम ने सूचना को पुष्टि की। खुफिया जानकारी से पता चला कि डीबीबी रोड, नवी क्रीम स्थित टुडे होटल के पास गैलेक्सी स्पा (प्रतीक तल, 4/1) में अंतर्गत तस्करी का घंटा घंटाना-फूल रहा था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। एक अधिकारी को फर्जी शाहक बनाकर 2,000 रुपये के चिफ्टन नोट दिए गए। उसे व्हाट्सएप पर मिस्ट कॉल देकर संकेत देने को कहा गया। शाम 7:25 बजे फर्जी शाहक ने अवैध

गतिविधियों को पुष्टि की। तुरंत छापेमारी दल ने स्पा पर घाता बोल दिया। अंदर छह महिलाएं और एक रिसायनर अंतर्गत कमरे में हिरासत में थे। चिफ्टन नोट और निरपेक्ष फैसले जाल कर लिए गए। पुष्टता में रिसायनर के (36 वर्ष, पहाड़गढ़) ने कबूल किया कि वह अपने पीछे की रास मिमिकर वह अवैध घंटा घंटाना रही थी। महिलाओं को नौ नौरी का लांच देकर लाया जाता था, फिर जनरल वेबसाइट में फेकना दिया जाता। चर्चाई गई महिलाओं में न्यायादर रजेंद्र रावानी से थी, जो आर्थिक तंगी का शिकार हो गई। इन महिलाओं को मेडिकल जांच के बाद कार्डसिलिंग और पुनर्वास के लिए एप्रील 2025 को सौंप दिया गया। 31 अक्टूबर को थाना नवी क्रीम में अंतर्गत व्यापार निवारण अधिनियम, 1956 की धारा 3(4/5) के तहत प्राथमिकी नं.0450/2025 दर्ज की गई। बता दें कि से हेल्प ऐप एंड्रॉइड और आईओएस पर उपलब्ध वैश्विक इमरजेंसी दल है। यह वैश्विक कमांड वा पुन वटन से अलर्ट भेजता है, जो एएसएस/व्हाट्सएप के ज़रिए संपर्कों और पुलिस तक पहुंचता है।

राजधानी में बिना पीयूसी गाड़ी चलाने वाले सावधान!

ट्रैफिक पुलिस ने 4.87 लाख चालान ठोके

- खुले में सीमेंट, रेत और धूल फैलाने वाली सामग्री ले जाने वाली वाहनों पर जुर्माना लगाया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली



पालन नहीं करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का जवाब है। यह उल्लंघन दिल्ली की वायु गुणवत्ता में महत्वपूर्ण योगदान देता है। अधिकारियों ने बताया कि 30 अक्टूबर तक पुलिस ने बिना वैध पीयूसी प्रमाणपत्र वाले वाहनों के 8.87 लाख से ज्यादा चालान काटे। इसके अलावा, खुले में सीमेंट, रेत और बालू फैलाने वाली सामग्री ले जाने वाली 941 वाहनों पर जुर्माना लगाया गया, जबकि प्रदूषण नियंत्रण मानकों का उल्लंघन करने पर 12 पुराने वाहनों को जाम किया गया। पुलिस के आंकड़ों के अनुसार,

पंथम यातायात रेंज में पीयूसी नियम का उल्लंघन करने पर सबसे अधिक (1,14,754) चालान दर्ज किए गए, इसके बाद पुर (1,09,707), दक्षिण (1,06,939), उत्तर (96,984), उत्तर-पंथम (83,438) और मध्य दिल्ली रेंज (76,012) का स्थान रहा। यातायात पुलिस के सूत्रों ने बताया कि व्यापक प्रबंधन 10 प्रतिशत लोगों ने ही अपना जुर्माना चुकाया है। मोटर वाहन अधिनियम के तहत पीयूसी उल्लंघन पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया

हत्या के आरोप में 24 वर्षीय युवक गिरफ्तार

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली में दो नवंबर को हुए हिट-एंड-रन के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस मामले में 35 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गयी थी। एलएनजेपी अस्पताल ने पुलिस को सूचना दी थी कि एक व्यक्ति को संदिग्ध सड़क दुर्घटना के बाद मृत अवस्था में लाया गया है। इसके बाद, भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया और मुक्त की परधान दिल्ली के कुम्हार नगर निवासी राजेंद्र गुप्ता के रूप में हुई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने मामला के एक और अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने मामला के पुष्टता की जांच की और दुर्घटना में शामिल वाहन की पहचान के लिए धनस्थान पर पुष्टता की।

सावधानीपूर्वक तकनीकी विशेषज्ञ के बाद उत्तर प्रदेश के पंजीकरण वाली एक कार को इस हिट-एंड-रन मामले में शामिल वाहन के रूप में निर्दिष्ट किया गया। वाहन स्थापित का विवरण प्रदान करने के बाद मोटर वाहन अधिनियम की धारा 133 के तहत अपराध निमित्त 24 वर्षीय हरिष मोदी को नोटिस जारी किया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी मोदी में प्रेश हुआ और उसने आरोपी सिलफता कबूल की। अपराध में शामिल वाहन की भी जप्त कर लिया गया है।

4.45 लाख की चोरी, सहायक गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने दक्षिण-पंथम दिल्ली के सागरपुर इलाके में 30 वर्षीय एक चोर सायबक को गिरफ्तार किया है। उसपर अपने मालिक के घर से 4.45 लाख रुपये चोरी करने का आरोप है पुलिस के अनुसार, आरोपी को पहचान शिवम सक्सेना के रूप में हुई है जो शिकायतकर्ता के घर पर लंबे समय से काम कर रहा था। आरोपी 30 अक्टूबर को नकद राशि लेकर भाग

गया जिसके बाद एक ऑनलाइन प्राथमिकी दर्ज की गई। अधिकारी ने बताया कि आरोपी का पता लगाने के लिए एक पुलिस टीम का गठन किया गया था। एक गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए टीम ने अनामिक में सटियम का पता लगाया और बुधवार को उसे हिरासत में ले लिया गया। उन्होंने बताया, पुलिस ने उसके पास से 3.29 लाख रुपये की नकद राशि के साथ-साथ चोरी के पैके से खरीदे हुए 25,000 रुपये के सामान भी बरामद किए हैं।

AXIS BANK LTD.									
उत्पन्न आय/प्रमुख सहायक निवेशी स्टॉक अडिटरों की ई-मिलिट्री डेटा सर्वोपलब्धिक सूचना									
क्र.सं.	सहायक का नाम	आय का नाम	बताया गया (रु. में)	उत्पन्न आय/प्रमुख सहायक निवेशी	सहायक का नाम	बताया गया (रु. में)	उत्पन्न आय/प्रमुख सहायक निवेशी	सहायक का नाम	बताया गया (रु. में)
1	पुनर्गत निवेश	सहायक: अक्षय कुमार, नई दिल्ली (दिल्ली)	10,22,550.94	29-09-2025	381.40	271.40			
2	वेल्थ अडिटर	सहायक: बरपद, दिल्ली (दिल्ली)	3,11,270.00	14-10-2025	62.37	60.61			
3	सील	सहायक: पानाया दिल्ली, दिल्ली	1,45,266.00	17-10-2025	26.90	25.70			
4	मुक्त	सहायक: सीमा गुप्ता, नई दिल्ली (दिल्ली)	4,84,545.70	29-09-2025	155.50	138.30			
5	पुनर्गत निवेश	सहायक: पंथम, दिल्ली (दिल्ली)	5,37,635.00	27-09-2025	107.91	92.61			
6	सिपरीट की	सहायक: सी. एन. एन. मुकुंद, मुकुंदगढ़ (हरि)	16,32,022.00	25-03-2025	349.90	341.40			
7	अक्षय कुमार	सहायक: अक्षय, दिल्ली (दिल्ली)	2,78,129.93	27-09-2025	77.60	74.10			
8	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	66,000.00	27-09-2025	296.50	278.80			
9	बंद कागज डेडी	सहायक: कपीका, दिल्ली (हरि)	17,10,025.70	29-09-2025	386.40	377.20			
10	कपीका सिंगल	सहायक: कपीका, दिल्ली (हरि)	7,49,423.11	27-09-2025	352.40	282.00			
11	सीमा गुप्ता	सहायक: सीमा, दिल्ली (दिल्ली)	2,24,741.81	27-09-2025	87.30	83.90			
12	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	23,260.00	17-10-2025	15.10	14.60			
13	निवेश कर्ता	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	23,03,093.00	14-09-2025	643.50	552.80			
14	अक्षय कुमार	सहायक: अक्षय, दिल्ली (दिल्ली)	8,21,032.00	27-09-2025	163.90	146.40			
15	अक्षय कुमार	सहायक: अक्षय, दिल्ली (दिल्ली)	29,199.42	16-05-2025	7.10	6.70			
16	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	1,57,762.00	27-09-2025	64.90	59.90			
17	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	28,173.00	17-10-2025	6.80	6.50			
18	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	1,30,068.00	27-09-2025	150.90	142.40			
19	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	1,30,632.00	17-10-2025	21.80	20.70			
20	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	1,20,875.54	17-10-2025	37.20	36.20			
21	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	95,855.91	17-10-2025	22.50	21.90			
22	प्रधाना	सहायक: प्रधाना, दिल्ली (दिल्ली)	1,20,542.00	17-10-2025	20.70	19.10			
23	निवेश कर्ता	सहायक: अक्षय, दिल्ली (दिल्ली)	3,64,352.00	27-09-2025	80.20	75.50			
24	निवेश कर्ता	सहायक: अक्षय, दिल्ली (दिल्ली)	78,517.00	27-09-2025	17.10	16.20			
25	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	11,94,611.79	27-09-2025	282.20	270.70			
26	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	2,29,413.00	06-08-2025	49.60	47.60			
27	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	1,14,322.00	17-10-2025	58.60	56.50			
28	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	8,38,148.00	17-10-2025	681.00	642.60			
29	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	1,22,480.29	17-10-2025	21.40	20.50			
30	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	38,16,148.00	17-10-2025	681.00	642.60			
31	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	97,950.00	17-10-2025	17.10	16.70			
32	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	15,37,830.00	27-09-2025	249.50	242.00			
33	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	1,24,676.00	27-09-2025	20.20	19.10			
34	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	8,38,148.00	27-09-2025	141.80	128.60			
35	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	1,45,874.12	17-10-2025	33.50	31.50			
36	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	70,215.97	17-10-2025	18.30	17.20			
37	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	7,58,307.00	27-09-2025	171.30	159.70			
38	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	5,36,262.00	27-09-2025	63.90	62.50			
39	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	66,760.00	17-10-2025	16.30	14.90			
40	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	1,14,322.00	24-03-2025	37.80	36.80			
41	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	2,27,291.41	27-09-2025	41.60	34.30			
42	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	1,65,627.00	17-10-2025	29.10	27.40			
43	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	1,36,862.00	17-10-2025	17.80	16.50			
44	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	1,36,862.00	17-10-2025	270.50	226.00			
45	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	75,526.00	16-06-2025	17.80	13.40			
46	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	93,563.00	27-09-2025	18.50	17.30			
47	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	82,564.00	27-09-2025	10.50	10.00			
48	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	3,20,056.65	27-09-2025	62.20	60.90			
49	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	19,28,698.97	14-09-2025	355.80	337.00			
50	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	4,10,636.00	16-06-2025	78.50	73.40			
51	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	2,47,805.14	27-09-2025	65.70	57.90			
52	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	1,12,000.00	27-09-2025	26.90	26.11			
53	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	5,08,271.85	27-09-2025	83.70	80.70			
54	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	1,34,797.00	17-10-2025	23.30	24.50			
55	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	3,25,268.00	14-09-2025	202.00	178.50			
56	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	2,55,719.85	27-09-2025	43.20	41.40			
57	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	1,14,322.00	17-10-2025	32.30	30.80			
58	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	7,35,239.30	25-03-2025	160.70	175.10			
59	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	15,56,484.30	14-09-2025	290.90	281.70			
60	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	14,34,395.00	27-09-2025	138.70	131.90			
61	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	1,35,611.00	17-10-2025	24.80	23.11			
62	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	9,331.00	27-09-2025	176.90	155.60			
63	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	7,18,748.00	30-01-2025	176.70	167.10			
64	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	4,68,623.35	27-09-2025	96.00	91.10			
65	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	4,05,968.56	27-09-2025	81.80	75.50			
66	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	2,91,941.00	17-10-2025	12.70	12.20			
67	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	62,837.00	27-09-2025	34.10	24.80			
68	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	8,15,837.00	27-09-2025	161.80	148.30			
69	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	7,478.00	08-04-2025	9.50	9.10			
70	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	56,010.40	17-10-2025	11.70	11.00			
71	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	4,10,977.80	25-03-2025	95.70	92.56			
72	लक्ष्मी लाल	सहायक: लक्ष्मी, दिल्ली (दिल्ली)	1,36,216.24	17-10-2025	47.40	38.44			
आय का निवेश/निवेश का निवेश									

दिल्ली की जहरीली हवा स्वास्थ्य आपातकाल

नवंबर आते-आते शहर एक गैस चैंबर जैसा दिखने लगता है। हर सड़क में एयुआर्षाई खराब हो जाता है, प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है और सभी कांफेरी नजर नहीं आती। दिल्लीवालों को प्रतिदिन क्या सहना पड़ता है, इसे स्लोवली बर्डीन ऑफ डिजीज (जीबीडी) आंकड़ों के एक नए विश्लेषण द्वारा स्पष्ट रूप से उजागर किया गया है, जिसे अधिकारियों और निवासियों दोनों के लिए एक चेतावनी के रूप में लिया जाना चाहिए। रिपोर्ट एक गंभीर तस्वीर पेश करती है: 2023 में, दिल्ली में सात में से एक मौत वायु प्रदूषण से जुड़ी थी। जहरीली हवा से लगभग 17,200 लोगों को जानने के साथ, प्रदूषण ने केवल एक पार्यावरणीय उपद्रव के रूप में उभरा है, बल्कि राजधानी का सबक बड़ा स्वास्थ्य खतरा बनकर उभरा है।

प्रत्येक सर्दी में, जैसे ही दिल्ली का खिलज घने, भूरे कफन के नीचे फीका पड़ जाता है, वायु प्रदूषण सुविधों में छज जाता है और लोगों की जान ले लेता है। फिर भी जीबीडी डेटा से पता चलता है कि दिल्ली का वायु संकट नवंबर और दिसंबर तक ही सीमित नहीं है, यह साल भर चलने वाला हत्यारा है, जो चुपचाप सार्वजनिक स्वास्थ्य को नष्ट कर रहा है और जीवन को छोटा कर रहा है। सूक्ष्म कण पदार्थ के संपर्क में लंबे समय तक रहना मूलभूत खतरे का सबब है। इसे परिप्रेक्ष्य में रखते हुए, वायु प्रदूषण उच्च रक्तचाप, मधुमेह या मोटापे को तुलना में अधिक लोगों को मारता है। फिर भी आधिकारिक प्रतिक्रियाएं अस्पष्ट बनी हुई हैं, अधिकारियों अभी भी सतत बार बार सतह कर रहे हैं कि क्या वायु प्रदूषण को निष्पत्ती के रूप में मृत्यु दर से जोड़ा जा सकता है। हालांकि, आंकड़ा स्वयं बोलता है।

कई हस्तक्षेपों के बावजूद, अग्रेजीबद्ध प्रतिक्रिया योजनाओं और विषम-सम योजनाओं से लेकर पाराली जलाने पर अंकुश लगाने तक प्रदूषण से जुड़ी मीतें 2018 में 15,786 से बढ़कर 2023 में 17,188 हो गई हैं। यह प्रणालीगत विफलता और इशारा करता है: नीतिगत प्रतिक्रियाशील और मौसमी बनी हुई हैं, जबकि प्रदूषण के स्रोत कई गुना बढ़ गए हैं और शहर के शहरी ढांचे में खुद को स्थापित कर लिया है।

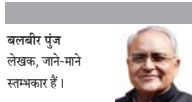
आम धारणा के विपरीत, दिल्ली का संकट सिर्फ सर्दियों के धुंध या पंजाब में पाराली जलाने से नहीं है। सीआरई के नवीनमान आकलन से पता चलता है कि इस अक्टूबर में दिल्ली के पीएम2.5 स्तर में फसल अवशेष जलाने का योगदान छत्र प्रतिशत से भी कम है। असली अपराधी घर के करीब हैं: वाहन उत्सर्जन, औद्योगिक प्रदूषण, निर्माण धूल, और अनियंत्रित अपशिष्ट जलाना। दिल्ली का लक्षण आम वायु प्रदूषण वाहनों से उत्पन्न होता है।

वायु प्रदूषण को अर्थ केवल एक पार्यावरणीय चिंता के रूप में नहीं, बल्कि एक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल के रूप में माना जाना चाहिए। इसे एक स्वास्थ्य मुद्दे के रूप में परिभाषित करने के लिए मजबूत जानकारी, बेहतर निगरानी और महामारी प्रतिक्रियाओं के समान लक्षित हस्तक्षेपों को आवश्यकता होती है। सख्त वाहन उत्सर्जन मानक, सार्वजनिक परिवहन का त्वरित विद्युतीकरण, औद्योगिक उत्सर्जन ऑडिट और घुल निगरान जैसी दो महामारी प्रतिक्रिया को तात्कालिक के साथ लागू किया जाना चाहिए। सीआरई के निष्कर्ष एक चेतावनी हैं, जो सार्वजनिक उपयोग को नहीं, बल्कि परिवहनसहरी कार्यालयों की मांग करता है।

वृद्धिलाभ उपयोगों का समय समाप्त हो गया है, दिल्ली को साहसिक, प्रणालीगत सुधारों की आवश्यकता है। सांस लेने योग्य हवा को पुनः प्राप्त करने के लिए नागरिकों, अधिकारियों और उद्योगों को एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। केवल निरंतर, समन्वित कार्रवाई ही प्रदूषण से संबंधित मीतों में वृद्धि को रोक सकती है और शहर के स्वास्थ्य को बहाल कर सकती है। दिल्ली का भविष्य वायु प्रदूषण को एक गैर-परकाम्य सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकता के रूप में मानने पर निर्भर करता है।

अखंड भारत के लिए पटेल का अनुसरण

यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि प्रधानमंत्री मोदी, एक दशक से अधिक समय से, नेहरू द्वारा की गई गलतियों को सुधारने और भारत को उस पथ पर वापस ले जाने का प्रयास कर रहे हैं, जिस पर सरदार पटेल चलते थे।



बलराज पुरी
लेखक, जने-जने
सत्यमेक है।

31 अक्टूबर को, भारत ने देश के पहले उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती मनाते हुए एक महत्वपूर्ण मौलिक का पर्व मनाया। फिर भी, आज भी एक प्रश्न मन में कौता है: यदि महात्मा गांधी ने 1946 में अंतिम प्रधानमंत्री के चयन के दौरान अपने 'वीटो' का प्रयोग नहीं किया होता तो भारत कैसा दिखता?

प्रमुख प्रकाशक दुर्गा शर्मा, जो उन घटनाओं वर्षों के एक विवरण-संग्रह में, उन समय की पूर्ण अंतिम सरकार प्रक्रिया को सबसे अच्छे तरह से दर्शाते हैं। अपनी पुस्तक इंडिया - प्रथम कर्जट दुर्गह एंड आउट - में, उन्होंने स्पष्ट रूप से पता दिया है: स्पटेल कांसिड संवेद्य बीड के प्रमुख थे, और प्रांतीय कांसिड समितियों ने आजाद के उत्तराधिकारी के रूप में उनके लिए एक बेहतर साधन होने क्योंकि वे 'भयानक मुद्दामें' में बांध करे।

हाल भारत के राजनीतिक इतिहास में 'चोट चोटों' का पहला उदाहरण था, जिसमें कांसिड की अधिकतम प्रांतीय समितियों द्वारा पटेल को नामांकित करने के बावजूद, नेहरू को विजित करने प्रतिक्रिया गया था। दिल्परस्य बात यह है कि 14 नवंबर को नेहरू की 136वीं जयंती नजदीक है, जो हमें इस बात पर विचार करने के लिए प्रेरित कर रही है कि महान सरदार के नेतृत्व में भारत का स्वरूप कैसा रहा होगा।

सरदार पटेल का राजनीतिक दर्शन पूरी भावना के साथ भारत की समुद्र समाधान विरासत और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद पर आधारित था। यदि युद्ध गणतंत्र ने धर्मनिरपेक्षता के उनके दृष्टिकोण को अपनाया होता, तो लंबे समय से चला आ रहा अयोग्य विवाद, सोमनाथ मामले को, कई दशकों पहले ही सुलझ गया होता। काशी और मद्रास में मंदिर और मस्जिद के दोहरे लंबित विवाद, जिसके कारण संघर्षों से अदालतों के अंदर और बाहर तनाव बना हुआ है, शायद बहुत पहले ही सुलझ गया होगा। 22-23 दिसंबर 1949 की रात जब अयोग्य के विवादित ढांचे के अंदर चमत्कारी ढंग से



गमलाल की भूमि प्रकट हुई तो पहला चरणबद्ध कोई हिंदू नहीं बल्कि अखंड वक्तव्य नाम का एक मुस्लिम गुलिसरक था।

इसके अलावा, एक उर्जन से अधिक स्थानीय मुसलमानों ने सिटी मजिस्ट्रेट के साथ हलफनामा प्रस्तुत किया, जिसमें स्वेच्छा के विना जन्मपट्टी स्थल पर हिंदू स्वामित्व स्वीकार किया गया। यहां तक कि मुसलमानों संयुक्त प्रांत (अब उत्तर प्रदेश) के मुहम्मदी गोविंद बल्लभ पंत, तत्कालीन गृह मंत्री लाल बहादुर शास्त्री, वरिष्ठ नौकरशाह केके नायर, सिटी मजिस्ट्रेट मुस्तफ रिफि, मुख्य सचिव भागवान साहय और स्थानीय कांसिड नेता बाबू रावबदाय सहित प्रशासनिक और सामाजिक नेतृत्व दोनों गाम मंदिर के पुनर्निर्माण के पक्ष में थे।

फिर भी, यह मुद्दा बात दशकों तक लटका रहा, जिसका मुख्य कारण पंडित नेहरू की धर्मनिरपेक्षता की विकृत व्याख्या थी। यह भी माना जाता था कि नेहरू सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण को लेकर अवांछित थे; हालांकि, जब तक गांधी और पटेल जीवित थे, यह इसे रोकने के लिए खुद को तैयार नहीं कर सका। एक बार जब वे स्थितिगत व्यक्तित्व फुलपूरी में फंके पड़ गए, तो हिंदू संस्कृति के प्रति नेहरू का प्युंक्ष सतह पर आने लगा।

हाल अपनी उपनिवेशवाद मैनासिकता को प्रकट करते हुए, हिंदू मंदिरों को केवल रचनात्मक रचना के रूप में स्थापित करने तक चले गए। यह वैचारिक रचना 2007 में एक चिकित्सा वाले निवेशी स्तर पर पहुंच गया है, जब कांसिड के नेतृत्व वाली यूएफ सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर किया, जिसमें

दया किया गया कि भगवान गंग के अस्तित्व का समर्थन करने के लिए कोई सबूत नहीं था। पटेल का दृष्टिकोण-अनुपम, समांगीकरण, हड़ता और रणनीतिक बल-550 से अधिक रिखासतों को एकजुट करने में सहायक था। इस बीच, कुछ अज्ञात कारणों से, नेहरू ने अस्थिर जन्म-कारणों पर व्यक्तित्व निरंतर बनाए रखा। पटेल जन्म और कस्मिरी को उन कई रिखासतों को एक मानते थे जो भारतीय संघ में एकीकृत हो रही थी। हालांकि, नेहरू ने इसे दो कारणों से एक अनेक्य माना। सबसे पहले, जन्म और कस्मिरी भारत में शामिल होने वाला एकमात्र मुस्लिम-बहुल राज्य था, जिसके कारण नेहरू ने इस पर विशेष ध्यान दिया, संभवतः एक सांसादिक दृष्टिकोण।

दुसरे, रोख अखंडता, जो गुप्त रूप से इसके 'रोख', एक संयुक्त शासक बनने की आकांक्षा रखते थे, ने नेहरू पर पक्षीय प्रभाव डाला और उन्हें गुमराह करने में सफल रहे। परिणाम विनाकारक था: कस्मिरी को जनमत संग्रह के प्रस्ताव के अधीन किया गया था, अनुच्छेद 370 और 35ए ने इसे विशेष राज्य दिया; संयुक्त राष्ट्र में इस मुद्दे का अंतर्राष्ट्रीयकरण किया गया; और पाकिस्तान ने पक्षीय प्रभाव को पूरी तरह से खंडने में पहले ही समय से पहले युद्धकाल की घोषणा कर दी थी।

नेहरू ने एक तरह जगजगदूय हैदराबाद से संपर्क किया होता, तो वे भी पाकिस्तानी क्षेत्र बना गए होते, नसूर घाबों में बदल जाते, जिसने सूर बढ़ता रहता, जिससे भारत दशकों तक खंडित रहता। सचवां स्पष्ट है: यदि पटेल कस्मिरी मुद्दे से

निपटते, तो रोष भारत की तरह वहां भी शांति कायम होता। भारतीय सैनिकों पर कोई परभाव नहीं होता, धार्मिक पहचान के आधार पर कोई सांसादिक हत्या नहीं होती और पाकिस्तान ने घाटी में हस्तक्षेप करने से पहले दो बार सोचा होता। 1989-90 के दौरान कस्मिरी हिंदुओं का नरसंहार कभी नहीं हुआ होता। एक ऐसी दुनिया की कल्पना करें जहां 1960 की सिंधु जल संधि कभी अस्तित्व में नहीं आती - भारत की दीर्घकालिक संभावनाओं के लिए इसके नुकसान मिट गए।

'हिंदी-चीनी भाई-भाई' कृतनीति की पुरानी आशा पर टिके रहने या चीन को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी वीटो देने के बजाय, चीन के आक्रमक प्रतिक्रिया को रोकने के लिए अधिक रणनीतिक और दृढ़ दृष्टिकोण अपनाना जा सकता था। रणनीति में इस तरह के बदलाव से इतिहास और 1962 के युद्ध के नतीजे पर काफी अंतर पड़ सकता है।

यदि भारत पटेल के नेतृत्व में होता, तो देश की आर्थिक निरति एक अलग रास्ता अमनाती-सुख, मिताशुपरी समाजवाद के बजाय नवगठन और आधुनिकीकरण से प्रेरित। अपनी अदल दृष्टि के साथ, पटेल ने भारतीयों को अपनी पूरी रचनात्मक क्षमता को उजागर करने के लिए प्रेरित किया और विदेशी वित्त पोषित प्रदूषण प्रदूषणों के खिलाफ एक मजबूत रक्षा अपनाया होगा, जो अक्सर पारंपरिक और मानवविकास अभियानों के रूप में सामने आते हैं, जो राष्ट्रीय को खतरे में डालते हैं।

भारत को विस्तार में मिले मार्क्स-मैकाले ब्रॉड की धर्मनिरपेक्षता, जिसे नेहरू ने अकार

दिया था, ने देश के समाजिक ताने-बाने को महसूस से विकृत कर दिया है। यह अक्सर हिंदू समुदाय को लंबे समय से धार्मिक अस्थिरता और उन्नीहून के शिक्षा हमलावतों के बजाय स्थायी पांडित के रूप में चित्रित करता है जो वे वास्तव में हैं। इस उलटपेच की उत्पत्ति 18 मई, 1959 को मुख्यमंत्रियों की लिखे नेहरू के पत्र में देखी जा सकती है। इसमें, उन्होंने एकतरफा रूप से रसायनिक शक्ति बनाए रखने का योग्य हस्तक्षेप हिंदुओं पर डाल दिया, जबकि आधुनिकीकरण से कहा कि भारत में मुसलमान, अपने स्थायिक से, आक्रमक रवैया नहीं अपना सकते हैं। एक सहाय्यी से अधिक समय से, हिंदुओं, बौद्धों, सिखों और जैनियों को लगातार हमलों का सामना करना पड़ा है - आक्रमण, जबरन धर्मांतरण और उनके पवित्र स्थलों का विनाश - यह सब कट्टर एंथ्रोपरायदी उत्साह से प्रेरित है। क्या कोई समुदाय यह दावा कर सकता है कि उम्माहलूमन इस्लाम ने अपना ऐतिहासिक रूप से भूमिर्जनक प्रवृत्तियों को मौलिक रूप से बदल दिया है या खंडित किया है?

पटेल ने कटुता के खतरे को स्पष्टता के साथ देखा। 1939 में, गुजरात के भावनगर में उन पर एक मस्जिद के भीतर लिखे जिहादियों ने उन पर तलवारों से हमला किया, तो वे बाल-बाल बच गये। हालांकि इन भयानक प्रसंगों को अक्सर मुख्यधारा की कानूनी से बाहर रखा जाता था, पटेल ने पहले ही इस्लामी चरणधर्म की उम्मेद के घातक परिणामों के दृष्टि रिल था - एक ऐसी चुक जो अभी भी राष्ट्र की एकता और अखंडता को कमाजो करने का खतरा है।

3 जनवरी, 1948 को, कलकत्ता में एक सभा को संबोधित करते हुए, पटेल ने स्पष्ट रूप से कहा: भारत में रहते वाले मुसलमानों में उन में, कई, भयानक अधिकांश, हैं पाकिस्तान में निर्माण का समर्थन किया था। यह इसे स्पष्ट से परे है कि उनका दिल राश्वत केसे बदल गया होगा। तीन दिन बाद (जून 6, 1948), लखनऊ में उन्होंने युद्ध, भारतिय मुसलमान धर्मिय धरती पर पाकिस्तान के आक्रमण को निंद कर्वां नहीं करते। सरदार पटेल ने लगातार देश के हितों को अपनी व्यक्तिगत या पारिवारिक चिंताओं से ऊपर रखा। एक ऐतिहासिक संक्षिप्तता से बहकर, पटेल एक मार्गदर्शक व्यक्ति को हुए हैं जो भारत के भविष्य को आकार दे रही हैं।

यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि प्रधानमंत्री मोदी, एक दशक से अधिक समय से, नेहरू द्वारा की गई गलतियों को सुधारने और भारत को उस पथ पर वापस ले जाने का प्रयास कर रहे हैं, जिस पर पटेल चलते।

जब मानवीय रूप ले लेती है कृत्रिम बुद्धि



बैतय के प्रसाद
लेखक, पूर्व विश्व
सेवक है।

फरवरी 2026 में, नई दिल्ली एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन में मेजबानी करेगी, जिसमें यह देखा जाएगा कि प्रौद्योगिकी लोगों के जीवन, परिवारण और प्रगति को कैसे बदल सकती है।

इतिहास में ऐसे क्षण आते हैं जब आधुनिक आविष्कारों पर खरा उतरता है-जब प्रौद्योगिकी ने केवल आगे बढ़ती है बल्कि जागृत होती है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ऐसे ही एक क्षण में खड़ी है। जोईकन और संचारकों में एल्गोरिदम, प्रतियोग्य और अस्तित्वगत जोखिम के बारे में बहुत बात होती है।

लौकिक तमाम प्रचार के अलावा, एक अधिक महत्वपूर्ण और शांति प्रदान सामने आ रहा है: क्या एआई लोगों की जीवित रहने के बजाय और बचने में मदद कर सकता है? फरवरी 2026 में, नई दिल्ली एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन को अनुकूलित किया जाएगा, जिसमें यह देखा जाएगा कि प्रौद्योगिकी लोगों के जीवन, परिवारण और प्रगति को कैसे बदल सकती है। इस बात पर बहस करने के बजाय कि प्रश्नों के साथ लेने में मदद मिलती है और किसानों को अधिक भोजन उपाने में मदद मिलती है। फिर भी इन अनुपयोगों से

सकती हैं, शामिल कर सकती हैं और ऊपर उठा सकती हैं।

चुनौती सिर्फ एआई को स्मार्ट बनाने की नहीं है, बल्कि इसे 'जान एआई'-जन-केन्द्रित, सहभागी और उद्देश्यपूर्ण बनाने की भी है। उस विचार के बीच पहले से ही मौजूद है। जिला अस्पताल में एआई-पैडल दल की मदद से डॉक्टर बीमारियों का जल्द पता लगा सकते हैं। एक छोटे से गाँव में एक किसान एक ऐप का उपयोग कर रहे हैं जो उपग्रह डेटा प्राप्त करके भविष्यवाणी करता है कि बारिश कब होगी। एक डिजिटल ट्रैक्टर चक्के की पहली भाग में गणित को समझता है कि प्रसे मझाता है।

वे भविष्य के बारे में कहानियाँ नहीं हैं, वे एक ऐसे वर्तमान में झाँक रहे हैं जो थिर-थिर दिखाई न देने वाली कोड की चिन्ताओं के दायित्वों के कार्यों के माध्यम से बदल रहा है। एआई अब चक्रवातों के आने से पहले ही उनकी भविष्यवाणी कर देता है, उत्सर्जन में कटौती के लिए यातायात का प्रबंधन करता है और वास्तविक समय में वनों की कटाई को ट्रैक करता है। इससे शहरों को स्वरूप हवा में सांस लेने में मदद मिलती है और किसानों को अधिक भोजन उपाने में मदद मिलती है। फिर भी इन अनुपयोगों से

परे कुछ अधिक गहरा है - पट्टिच का लोकतंत्रीकरण। पहली बार, खुफि या जानकारी ही साझा की जा सकेगी। एक वॉयस असिस्टेंट विकलांग व्यक्ति को सेवाओं तक पहुंचने का अधिकार देता है। एक बार अग्रगण्य होने पर, एक एआई उपकरण एक ग्रामीण व्यवसाय के नागरिक को ऋण प्राप्त करने में मदद करता है। साहजुप्रौद्योगिकी डिजाइन किया गया एआई सिस्टम को स्मार्ट बनाने के अलावा समाज को अधिक न्यायसंगत बनकर बेहतर बनाता है।

हालांकि, वैश्विक एआई मानचित्र अभी भी स्तरांक है। इसके निर्माण के केंद्र कुछ धनी देशों में केन्द्रित हैं, जो विशेषीकरण को प्रतिनिधित्व करने वाले डेटासेट पर प्रशिक्षित हैं। एक एंग्लो-इरिदी या स्थावरी को संपादन में विफल हो जाते हैं, या समशीतोष्ण जलवायु के लिए खेती को अनुकूलित करने में विफल हो जाते हैं, तो वे एक अस्थिवाधान सचवां प्रकट करते हैं: एआई उस दुनिया को प्रतिनिधित्व करता है जो इसे बनाती है।

इसे बदलने के लिए, लोकतंत्र साध्य को परीक्षण स्थल से सह-लेखक की ओर बढ़ना होगा। इसकी भाषाएं, संस्कृतियाँ और

जीवत वास्तविकताएं एआई को वास्तव में साक्षीबद्ध करने के लिए डेटा और ज्ञान दोनों रखती हैं। यह बदलाव केवल नैतिक नहीं है, यह व्यावहारिक है। विविधता के अभाव में बुद्धिमाना बुद्धिमान नहीं बल्कि नकली है। इस प्रकार, भारत विषय की जटिलता और आशा का प्रतीक है। 1.4 अरब लोगों, सैकड़ों भाषाओं और देश के संसाधनों के श्रेष्ठों तक फेली डिजिटल क्रांति के साथ, भारत समावेशी नवाचार के लिए आईसीटी प्रदान करता है। सरकार के इंडिया एआई निराश का लक्ष्य एआई को केवल कर्मचारी बनने लोगों के लिए ही नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के लिए फायदेमंद बनाना है। प्रौद्योगिकी क्षमता का निम्नण करना है, लेकिन संचार विषयसय का निम्नण करना है।

जान एआई को वास्तविक बनाने के लिए, हमें अमूर्त को सुलभ-मोडने वाले एल्गोरिदमों में कक्षाओं में, डेटा को संवाद करने और नैतिकता को रोजमर्रा की सहाजुप्रौद्योगिकी में अनुवाद करना होगा। जिस तरह स्वरूप भारत ने स्वरूपता को एक नागरिक भावना में बदल दिया और डिजिटल इंडिया ने प्रौद्योगिकी को एक साझा सपना बना दिया, उसी तरह जान एआई को लोगों का आंदोलन

बनना चाहिए - एक बातचीत जो बुद्धिमाना को नष्ट, विकेंद्रीकृत और लोकतांत्रिक बनाती है। जागरूकता अभियान दिखा सकते हैं कि एआई जैसी को कैसे बेहतर बनाते हैं। सामुदायिक रेडियो, स्थानीय भाषा सामग्री और स्थानीय भाषाशाली लोग कि प्रशिक्षण बना सकते हैं। स्कूलों में कक्षायुक्त सुचना और कौशल कार्यक्रम एक साथ जिसका एक सुलभता को बढ़ावा दे सकते हैं। जव नागरिक एआई के बारे और नुकसान को समझते हैं, तो वे डर के कारण नहीं बल्कि व्यक्तिगत को भावना के साथ भाग लेते हैं।

जान एआई जैसा आंदोलन ऊपर से नीचे ही हो सकता है। इसे कई भाषाओं में व्यक्त किया जाना चाहिए, दीर्घकालीन में महसूस किया जाना चाहिए और विभिन्न पहलुओं के माध्यम से संरचित किया जाना चाहिए। नैतिक डेटा साझाकरण को बढ़ावा देकर, स्थानीय अनुपयोगों को प्रभावित करने और जवाबदेही की मांग करके, इसे न केवल नागरिकों को एआई का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए बल्कि इसे सह-निर्माण भी करना चाहिए।

अच्छे, डिजिटल मीडिया, मोशन पिक्चर और लोकप्रिय संस्कृति के लिए एआई का

उपयोग करने वाली नर्सों, शिक्षकों और किसानों के वास्तविक जीवन के उदाहरण प्रस्तुत करते हैं संभावनाओं को मानवीय बनाया जा सकता है। लेखक कहानी और वचना व्यपक जागृति के लिए एक विचारों के रूप से कार्य करती है, जो दशावर्ती है कि कैसे समावेशी डिजिटल को सांख्यिक बनने के लिए मार्गदर्शन कर सकती है।

इस बात को लेकर चिंतित दुनिया में कि मशीन क्या कर सकती हैं, संईहलत सिखर सम्मेलन एक अलग सवाल पछुता है: हम उनसे साथ एक-दूसरे के लिए क्या कर सकते हैं? सहाजुप्रौद्योगिकी और समावेशीकरण के साथ, प्रौद्योगिकी मानवता की कानूनी का अंत नहीं हो सकती बल्कि इसके अगले विकास की शुरुआत को दर्शाती है। भारत का नेतृत्व विषय के विमर्शों को निदेशित करने का अवसर प्रदान करता है।

साध्य उद्योग जैसे शुरु होता है, लोकतंत्र के केंद्र में, तो शाश्वत 'एआई' आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग को शुरूआत करेगा जहां समाधान वहीं से शुरू होता है, स्लोवली साध्य के केंद्र में। और शायद, संभवतया, अंततः सार्वभौम युग का उदय होगा, जो धार्म के साथ-साथ डेटा द्वारा संचालित होगा।

आप की बात

सड़क सुरक्षा में महत्वपूर्ण हेलेमेट

भारत में सड़क दुर्घटनाओं के उजागरकरण आंकड़े हेलेमेट पहनने की अनिवार्यता की सख्त जरूरत को उजागर करते हैं। प्रचलित लाइवों दोषिधता वाहन चालक और सवारी अपनी जान गंवा रहे हैं और हल्क रूप से लगभग 80 प्रतिशत वाहन चालक हेलेमेट नहीं पहनते हैं। फिर की वीडियो इन मीलों का एक बड़ा कारण बनती है, जिन्हें हेलेमेट आसानी से रोक सकता है। मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा 6 नवंबर से रायच भ्रम में सड़क दुर्घटनाओं के विरुद्ध सघन और निरंतर अभियान चलाना जा रहा है। सड़क दुर्घटनाएँ सार्वजनिक सड़क हैं। इस अभियान में दोषिधता वाहन पर सवार दुर्घटना सवारी के लिए भी हेलेमेट लगाना अनिवार्य किया गया है जो सड़क सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव है। पहले लागू किए गए 'बैकरोडर पेटेल' नहीं जैसे नियमों के सकारात्मक परिणाम देखने को मिले हैं जिनसे लोगों में हेलेमेट की जरूरत और खुद की सुरक्षा के प्रति चेतना जागृत है। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या को देखते हुए यह अत्यंत आवश्यक है कि इस प्रकार के सुरक्षा नियमों को तत्काल देश भर में एक साथ लागू किया जाए। हर नागरिक को अपनी जान की कीमत समझते हुए सुरक्षा नियमों का पालन करना चाहिए। यह सिर्फ एक नियम नहीं बल्कि जीवन का बचक पहलू है।

- अमृतलाल माका राव, इन्दौर मय

हार की हताशा

नितिर हार की हताशा व्यक्तियों को मानसिक रूप से किनारा कुंठित कर सकती है, इसका संसाधन सटीक उदाहरण नेता प्रतिक्रिया के आचरण से मिलता है, जो अपने मित्रों के न हारने का चुनाव में अक्षम हैं। मगराई किसी गड़बड़ बार बार आत्मक प्रश्न खड़े करते हैं। चुनाव विचार में हो या अमान प्रदर्शनों में नेता प्रतिक्रिया चुनाव आयोग की कार्यवाही पर सख्त उदात्त हुए बार बार वोट चोरी का आरोप लगाते हैं। जब उनसे आरोपों की प्रमाणिकता विवाद करने के लिए सवाध पत्र देना जाता है, तब वह राखेडू बकरा मुद्दा पुरे परलान कर जाते हैं। प्रश्न उत्पन्न होता है, कि नेता प्रतिक्रिया के दायित्व का निर्माण करना क्या व्यक्तिगत कृत्य और कुंठित कैसे हो सकता है, कि वह चुनाव व्यवस्था जैसे गंभीर विषय पर भी गंभीर न हो। वोट चोरी का आरोप लगाकर नेता प्रतिक्रिया बड़ा हिस्सा करना चाहते हैं, कि देश में चुनाव चोट चोरी करने जाते जाते हैं, यह वोट चोरी की उदात्त भाषा शक्ति प्रदर्शनों में ही मिलती है ? जिन वर्गों में कबीर समर्थित जनता से, क्या वहां पूर्ण निष्पक्षता से चुनाव संभल होते हैं ? विषय के वोट चोरी के अलावा से गंभीर लगता है, कि जैसे-जैसे पत्र प्रमाण हैं, कि गंदगी वोट चोट, तो कबीर पटेल के समर्थकों के ही वोट चोट, बरि कहां वोटों की विजयी हो तो कबीर के विषय में ही हुई। जब किसी व्यक्ति का राजनीतिक दल के अस्तित्व पर संकट उत्पन्न होले लो, तो व्यक्ति का स्वयं पर से विषयसय उल जाता है।

- सुधाकर आशावादी, मेरठ

धर्मस्थल पर भगदड़

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम थुप के वेंकटेश्वर मंदिर में मची भगदड़ से 11 लोगों की मृत्यु और 25 अद्वालुओं के घायल होने की वदत दुर्घटनाग्रस्त है। प्रत्येक वर्ष देश की अनेकों मंदिरों में ऐसी घटनाएं होती हैं और जान मान का नुकसान होता है,जिस पर राज्य सरकारों को मंदिर प्रबंधकों को और अद्वालुओं को जलजल कर चर्चा करनी होगी। धार्मिक, आध्यात्मिक वातावरण, उत्पन्न एवं सांस्कृतिक सम्पत्ति लोगों के महत्वपूर्ण पदार्थ है। एक व्यक्ति असा अनुपस्थ देवमंदत के है। लेकिन मंदिर के परिसरों में घटनाओं में अद्वालुओं की जान मान जाती रही है। किसकी रोकथाम के लिए मंदिर प्रबंधकों को मंदिर परिसर की व्यवस्था के पर्यव प्रदान करना है। उनके द्वारा प्रदत्त की गई मूर्त पर मंदिर परिसरों को काम करना होगा। पूर्वोक्त प्रमाणों की दिशा निर्देशों का भी पालन बिचाली की व्यक्तियों को सख्त करना है। अकवालों पर रोक एवं मोबाइल एप अस्टर की व्यवस्था की कारगर सिद्ध हो सकती है। अद्वालुओं का धर्म और मंदिर परिसरों को दिशा निर्देशों की पालन करते हुए अपने आध्यात्मिक जाड़ बना करभार में।

- वीर कान्त, दिल्ली

एक नजर

कलश यात्रा के साथ हुई मूर्ति परिक्रमा



नामल। गांव कोटा के प्राचीन महा काली मंदिर में मूर्ति स्थापना को लेकर सुबह कलश यात्रा के साथ गांव में संपूर्ण विधि विधान के साथ मूर्ति परिक्रमा कराई गई। मंदिर पुजारी सुशील शर्मा ने बताया कि गांव के श्री विधापीठ महाकाली मंदिर में शुक्रवार सुबह भगवान शिव परिकार, श्री राम दरबार, श्री हनुमान मंदिर तथा श्री भैरव जी की मूर्ति की स्थापना प्राण प्रतिष्ठा के साथ स्थापित कर कनक यात्रा के साथ विशाल भंडारा आयोजित किया जाएगा। इससे पूर्व हनुमानचलिका को सभी मूर्तियों को पूजा अर्चना कर करवाया गया के साथ गांव के मण्डों से परिक्रमा कराई गई और सभी श्रद्धालु ने नमन करते हुए प्रसाद ग्रहण किया है। इस दौरान मणियां आवाज, विकास गुप्ता, विनोद राणा, कुलदीप राणा, राजकुमार राणा, संतोष प्रधान, नीतिश राय, मेनपाल, महिपाल स्वामी, जितेश धीमान, अरुण धीमान, जितेंद्र उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

बाइक टकराई, चार घायल, दो की हालत गंभीर

नामल। नामगलेडी स्टेट हाईवे पर गांव खजुरवाला के निकट छोटा हाथी का दरवाजा खुलने से दो बाइक सवार दमिंत टक्कराकर घायल हो गये। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों की अस्पताल पहुंचाया जहां दो की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। थाना देहात कोतवाली के गांव नंदी फिरोजपुर निवासी जसवीर अपनी पत्नी शालू के साथ किसी काम के लिए गंगाल करघे में आये थे जब वह वापस लौट रहे थे तो गांव खजुरवाला के निकट सड़क किनारे खड़े एक छोटा हाथी के चालक ने ड्राइवर साइड की डिंडीकी खोल दी जिस कारण उनकी बाइक छोटा हाथी से टकरा गयी दोनों घायल हो गये। इस दौरान पीछे से आ रहे गांव बसेड़ा निवासी विकास तथा उसकी पत्नी सीमाक्षी की बाइक जसवीर की बाइक से टकरा गयी जिससे वह दोनों घायल भी हो गये। थाना प्रभारी राजकुमार चौहान ने बताया कि सहरीर आने पर छोटा हाथी के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जागी।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव, जांच जारी

सहारनपुर। नामगलेडी थाना क्षेत्र के गांव कैलाशपुर के जंगल में एक आम के बग में पेड़ पर एक युवक का शव लटकान मिलने से क्षेत्र में सतर्कता फैल गई वहीं मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी। लामरी के मुताबिक नामगलेडी क्षेत्र के गांव कैलाशपुर के जंगल में आम के बग में एक 22 वर्षीय युवक का शव पेड़ से लटका मिलने से क्षेत्र में सतर्कता फैल गयी और मौके पर ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हुई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची नामगलेडी पुलिस और फोरेंसिक टीम ने जांच पड़ताल कर घटना की जांच की। पड़नामा भक्तर फौजदारों के लिये भेज दिया। थाना प्रभारी प्रवेश वर्मा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है जो थवा सामने आयेगी उसी के अनुसार कार्यवाही की जागी।

पूर्व सांसद ने किया मिल के पेराई सत्र का शुभारंभ



नकुड़। उत्तम शुभर मिल सेमक इकाई की पेराई सत्र का शुभारंभ पूर्व सांसद प्रदीप चौधरी ने विधि विधान के साथ मिल के अधिकारियों और किसानों के साथ किया। इस अवसर पर शुभर मिल के ई.डी.एस.एल.शर्मा, महा प्रबंधक सुविनय सिंह ने बड़ा व पूजा अर्चना कर गये सत्र की सफलता की कामना कर नमूने किसानों से सहयोग की अपेक्षा की। पूर्व सांसद प्रदीप चौधरी ने मिल 'नारियल फोडर' व गन्ना डालकर मिल का औपचारिक उद्घाटन किया। कार्यक्रम में संजय चौधरी, मीनाराम, जी एन केन पी.के राठी,अनुराग लाम्णी, अरविंद कुमार, आदि उपस्थित रहे।

पाइप लाइन में लीकेंज से हुई परेशानी

शामली। शहर के डिंडाना रोड पर काम के दौरान पानी की पाइप लाइन



रोड पर इन दिनों मेस पाइप लाइन विद्युत का काम किया जा रहा है। गुरुवार को कंपनी के कर्मचारियों द्वारा अपने पाइपट कर काम किया जा रहा था, इसी दौरान पानी की एक पाइप लाइन लीकेंज हो गयी जिस कारण वहां पानी भरने लगा। पानी भरते देखकर वहां मौजूद लोगों ने नगर पालिका को मामले से अवगत कराया जिस पर पालिका के कर्मचारियों मौके पर पहुंचे तथा लीकेंज की समस्या को दूर करते हुए वाह मरम्मत कार्य कराया।

सहारनपुर रामलीला कलाकारों के लिए भवन निर्माण का भूमि पूजन

महापौर और विधायक ने रखी आधार शिला



पायनियर समाचार सेवा। सहारनपुर नगर निगम महापौर डा. अजय सिंह ने वार्ड 41 के पार्षद संजय सेनी के प्रयासों से लेकर कोलोनो के ग्राउंड में रामलीला कलाकारों के लिए भवन निर्माण का भूमि पूजन किया। इस भवन के निर्माण पर 13 लाख रुपये की लागत आएगी और इसमें दो बड़े हॉल बनाए जाएंगे, जहां रामलीला कलाकार अभ्यास कर सकेंगे। भूमि

दो गुटों में फायरिंग, पुलिस ने दो हमलावरों को दबोचा

■ अवैध हथियार बरामद, फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस की दक्षिणी जारी

पायनियर समाचार सेवा। खतौली

खतौली थाना क्षेत्र के ग्राम भुड़ में बुधवार देर रात दो पक्षों के बीच हुई कार्रवाई में हिंसक रूप ले लिया। देखते ही देखते लाली-डंडे चले और गोलीबार चलने लगा। अचानक हुई फायरिंग से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और ग्रामीणों में दहशत फैल गई।

सूचना मिलते ही थाना खतौली पुलिस टीम मौके पर पहुंची और तल्लास कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों के दो आरोपियों को अवैध असलहों

पूर्व विधायक राना का बेटा आहद गिरफ्तार

■ जेल में पिता तक मोबाइल पहुंचाने का आरोप, कोर्ट से वारंट लेकर पुलिस ने दबोचा

पायनियर समाचार सेवा। मुजफ्फरनगर

नई मंडी पुलिस ने पूर्व विधायक शाहनवाज राना के छोटे बेटे अजय आहद राना को जेल में रहते पिता तक मोबाइल पहुंचाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने साब्यों के आधार पर आहद को आरोपी बनाने हुए कोर्ट में से-नर-नमानी वारंट हासिल किया था। मुकद्दमा दोषार आहद को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

पूरा रविवार पर छोटे के दौरान जोएस्टी टीम पर हमले के आरोप में जेल जाया पड़ा था। इसके बाद उन पर घोषाबंदी



समेत गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान रजिस्ट्रार पुत्र निमेष, निवासी मोहल्ला अदित विहार, खतौली तथा अंकुर पुत्र दिनेश, निवासी मोहल्ला गौतापुरी, भुड़ के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के कब्जे से दो तमंचे 315 बोर, दो खोखा कारतूस और एक मिस कारतूस बरामद किए हैं। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि यह घटना आसपी पुरानी रजिस्टर के चलते हुई। फायरिंग के दौरान कई लोग

चार दिन पहले हुए सड़क हादसे में घायल महिला की मौत

खतौली। खतौली क्षेत्र के ग्राम पैसी में चार दिन पूर्व हुए सड़क हादसे में घायल महिला ने गुरुवार को उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। महिला की मौत की खबर सुनते ही परिवारजनों में कोहराम मच गया और चार में मातम छा गया। ग्राम पैसी निवासी कपू अपनी पत्नी अमिता के साथ चार दिन पहले किसी कार्य से श्राद्धकिंड द्वारा अमलाच हाइवे पर गया था। बताया गया कि जब दोनों पति-पत्नी साइकिल के चार लौट रहे थे, तभी तेज रफ्तार से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।गुरुवार मिले ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को एम्बुलेंस से अस्पताल भिजवाया गया। वहां डॉक्टरों ने महिला की गंभीर हालत को देखते हुए उसे मेरठ के अस्पताल के लिए रेफर कर दिया था। चार दिनों तक जिंदा और मौत के बीच संघर्ष करने के बाद गुरुवार को अंतिम ने उपचार के दौरान अंतिम सांस ली।

अंतर्जनपदीय वाहन चोर गिरोह का शांति सदस्य गिरफ्तार

■ आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की 11 बाइकें, पाटर्स व नंबर प्लेट की बरामद

■ सिमालका अंडरपास के निकट चेंकिंग के दौरान फुड में आया गिरोह का सदस्य



अंडरपास के निकट चेंकिंग कर रही थी, इसी दौरान पुलिस को बाइक सवार एक सटिधय युवक आता दिखाई दिया, पुलिस ने जब उसे रुकने का इशारा किया तो वह भागने लगा, पुलिस ने पीछा कर युवक को पकड़ लिया। पूछताछ में युवक ने बताया कि उस बाइक चोरी की है।

सदस्य से पूछताछ पर आरोपित ने अपना नाम अमिद पुत्र बुरेपाल निवासी गांव कांजगंज में बताया बताया। आरोपित ने खेडीकरपुर में वहां रहते पर झाड़ियों में पेड़ों के नीचे छिपाकर रखी बाइक की 10 अन बाइकें, पाटर्स व नंबर प्लेट की बरामद

पायनियर समाचार सेवा। शामली

शहर कोतवाली पुलिस ने अंतर्जनपदीय वाहन चोर गिरोह के एक शांति सदस्य को गिरफ्तार करते हुए उसकी निशानदेही पर चोरी की 11 बाइकें, पाटर्स व नंबर प्लेट बरामद की है। पुलिस अब वाहनों के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

गुरुवार को कोतवाली में आयोजित प्रेसवार्ता में एसपी सतपाल कुमार सिंह ने बताया कि एसपी के निदेश पर जनपद में वाहन चोरों व सतियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत शहर कोतवाली पुलिस सिमलालका

करी।एसपी ने बताया कि पूछताछ में चोर ने बताया कि वह और उसका साथी अरुण पुत्र राबेरा निवासी खेडीवाड़ा थानावर्त अपना दिनांक खर्च निकालने के लिए बाइक चोरी करते हैं तथा उन्हें फिर सस्ते दामों पर बेच देते हैं।

एसपी ने बताया कि आरोपित के पास से करामद 5 बाइकों के संबंध में शहर कोतवाली, बारीवा तथा डिंडाना शहर को पुलिस दर्ज हैं जबकि अन्य के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। इस मौके पर ज.सी.ओ लखी अमरदीप मौर्य, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सचिन शर्मा भी मौजूद रहे।

सिविल डिफेंस ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन

सहारनपुर। आई.एफ.ए. सहारनपुर के तत्वावधान में महाराज सिंह डिडी कॉलेज, सहारनपुर के सम्पादन में सिविल डिफेंस ट्रेनिंग प्रोग्राम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आईएमए के चिकित्सकों द्वारा आपातकालीन स्थितियों में प्राथमिक चिकित्सा एवं राहत कार्य के विषय में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। चिकित्सकों ने मानव शरीर की संरचना, घरेलू दुर्घटना, आदि मौजूद एवं डॉ. गिरिश डंग शास्त्रि रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को प्राथमिक चिकित्सा कार्य में आपातकालीन स्थितियों में सही व सही प्राथमिक उपचार देने के लिए प्रशिक्षित करना था।

घायल हुए, जिन्हें पुलिस ने उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। वहीं अन्य आरोपी मौका पाकर फरार हो गए। उनकी तलाश में पुलिस ने विशेष टीम गठित कर दक्षिण शुरू कर दी है। घटना स्थल पर पहुंची टीम में प्रभारी निरीक्षक दिनेश चंद, उप निरीक्षक तेजवीर सिंह, प्रताप सिंह सोलंकी, नंदकिशोर शर्मा, राजवीर तेंवरिया, आकाश राय, आरिफ अली, परमेश शर्माग और हैड कॉन्स्टेबल प्रमेश कुमार शामिल रहे। कोतवाली प्रभारी दिनेश चंद ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच पुरानी रजिस्टर चल रही थी। फायरिंग में किसी के घायल होने की गंभीर सूचना नहीं है। दोनों गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ आधा दर्जन से अधिक मुकदमे पहले से दर्ज हैं। फरार आरोपियों को गिरफ्तारी के लिए दक्षिण जारी है।

चार दिन पहले हुए सड़क हादसे में घायल महिला की मौत

खतौली। खतौली क्षेत्र के ग्राम पैसी में चार दिन पूर्व हुए सड़क हादसे में घायल महिला ने गुरुवार को उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। महिला की मौत की खबर सुनते ही परिवारजनों में कोहराम मच गया और चार में मातम छा गया। ग्राम पैसी निवासी कपू अपनी पत्नी अमिता के साथ चार दिन पहले किसी कार्य से श्राद्धकिंड द्वारा अमलाच हाइवे पर गया था। बताया गया कि जब दोनों पति-पत्नी साइकिल के चार लौट रहे थे, तभी तेज रफ्तार से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।गुरुवार मिले ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को एम्बुलेंस से अस्पताल भिजवाया गया। वहां डॉक्टरों ने महिला की गंभीर हालत को देखते हुए उसे मेरठ के अस्पताल के लिए रेफर कर दिया था। चार दिनों तक जिंदा और मौत के बीच संघर्ष करने के बाद गुरुवार को अंतिम ने उपचार के दौरान अंतिम सांस ली।

पायनियर समाचार सेवा। मुजफ्फरनगर

फुगना क्षेत्र में मेरठछाकरनाला मार्ग पर गुरुवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। नौद की झपकी के कारण एक कार आगे जा रहे डंपर के पिछले हिस्से से जा टकराई, जिससे कार में सवार बालक समेत दो लोगों की मौत पर मौत हो गई, जबकि नौ अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार, कार में नेपाल के 11 लोग सवार थे जो हिमाचल प्रदेश की ओर जा रहे थे। रास्ते में फुगना क्षेत्र में कार चालक गोपाल निवासी सिमला, हिमाचल प्रदेश की अचानक नौद की झपकी

छात्राओं पर अश्लील फिर्काओं कसने वाला युवक गिरफ्तार

शामली। मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सक्रिय शक्ति मोबाइल टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है, जो स्कूल-कॉलेज आने-जाने वाली छात्राओं पर अश्लील फिर्काओं कस रहा था।

पुलिस अधीक्षक शामली एन.पी. सिंह के निदेशन में महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की रोकथाम के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक शामली के निदेशन और क्षेत्राधिकारी नगर की निगरानी में शक्ति मोबाइल टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। गश्त के दौरान टीम को सूचना मिली कि ग्राम शिलीन में एक युवक स्कूल-कॉलेज जाने वाली लड़कियों पर फिर्काएं कस रहा है। मौके पर पहुंची टीम ने तत्परात दिखाने हुए आरोपी को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी की पकड़ान विद्यालय पुत्र लोकेंद्र निवासी ग्राम खेडीकरपुर थाना कोतवाली शामली के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ महिला धाना शामली में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

सदिग्ध परिस्थितियों में रूई फैक्टरी में लगी आग

पायनियर समाचार सेवा। शामली

गंडीपुछा क्षेत्र के गांव ओली स्थित एक रूई की बत्ती बनाने वाली एक फैक्टरी में सदिग्ध परिस्थितियों में आग लगने से हड़कें मच गयी। आग की सूचना पर सैकड़ों महिलाओं व पुरुषों ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया लेकिन विफल रहे, बाद में मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने किसी तरह आग पर काबू पाया। घटना में लाखों का नुकसान बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार गंडीपुछा क्षेत्र के गांव ओली में रूई की बत्ती बनाने की फैक्टरी में आग फैली। फैक्टरी में गांव की महिलाएं व पुरुष भी करते हैं। बताया जाता है कि बत्ती बनाने के लिए फैक्टरी में काफी मात्रा में रूई रखी गयी। गुरुवार को सुबह फैक्टरी में रूई गयी रूई में सदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गयी जो देखते ही देखते फैल गयी,

एलडीपीएस ने ताइक्वांडो में मारी बाजी, जीते पांच स्वर्ण



पायनियर समाचार सेवा। खतौली

लाल दयाल पब्लिक स्कूल, खतौली के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने उत्तराखण्ड ओपन नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच स्वर्ण पदक अपने नाम किए और अर्धचंदन का 50 किग्रा वर्ग) ने स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय विद्यालयों का सम्मान विद्यालय प्रांगण में आयोजित विशेष समारोह में किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन कर्मवीर सिंह ने सभी विद्यार्थियों के ताइक्वांडो को फुलकान के कुशल मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित

किया। प्रतिभागी में उदय मौल्ला (80 किग्रा वर्ग), आलोक सिंह (50 किग्रा वर्ग), सिद्धार्थ सिंह (40 किग्रा वर्ग), केशव (86 किग्रा वर्ग) और अर्धचंदन का 50 किग्रा वर्ग) ने स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय विद्यालयों का सम्मान विद्यालय प्रांगण में आयोजित विशेष समारोह में किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन कर्मवीर सिंह ने सभी विद्यार्थियों के ताइक्वांडो को फुलकान के कुशल मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित

छात्राओं को सिखाए आत्म सुरक्षा के गुण



पुत्र विनोद की मौत हो गई, जबकि पुष्पा पुत्री गोपाल, विजय पुत्र बहादुर, चन्दना पत्नी विनोद, नेत्रा पुत्री नीलापर, सलतार पुत्र श्री कृष्ण, प्रवीन पुत्र प्रभु नारायण, प्रवेश पुत्र तेजबहादुर सहित दो अन्य घायलों का उपचार अस्पताल में कर रहा है। पुलिस ने डंपर को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है।

छात्राओं को सिखाए आत्म सुरक्षा के गुण



पायनियर समाचार सेवा। नामल गांव कोटा स्थित राजकीय महिला माविबिद्यालय में मिशन शक्ति फेड 5 के अंतर्गत छात्राओं को आत्म सुरक्षा प्रशिक्षण दिया गया। मिशन शक्ति एवं आत्म सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम चालीने ने छात्राओं को प्रशिक्षण देते हुए कहा कि किसी भी आपातकालीन स्थिति में हमेशा धैर्य रखना चाहिए। इसके साथ ही उपाधिजन सहन न करके बलिष्ठ उसका मुकाबला करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि आज नारी पुरुषों से अलग फैलकर हो रही है। इस दौरान प्रचार्य डॉ. पूरन यादव, डॉ. यामिनी पांडे, डॉ. कल्पना राय, डॉक्टर वसुंधरा दील्लाल, इलसहार आदि मौजूद रहे।

चलती बाइक से गिरा होमगार्ड, मौके पर मौत, परिवार में कोहराम

शामली। सीडीओ आवास पर तैनात एक होमगार्ड की दिल का दौरा पड़ने से दुःखद मौत हो गयी। घटना के वक्त होमगार्ड चार से बाइक पर सवार होकर निकला था। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उससे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

होमगार्ड की मौत से परिवार का तो-रोकर बुरा हाल है। गांव टिटौली निवासी 45 वर्षीय प्रमोद कश्यप सीडीओ आवास पर होमगार्ड के पद पर तैनात था। गुरुवार की सुबह प्रमोद अपनी बुढ़ी पर जाने के लिए बाइक पर सवार होकर घर से निकला था लेकिन घर से बौदी दूर जाने पर अचानक से वह चरती बाइक से नीचे जा गिरा, जिससे आयरस मीटुड लोंगों में हडकें मच गयी। गांव वाले प्रमोद को लेकर तुरंत उससे घर पहुंचे तथा गांव के ही चिकित्सक को मौके पर बुलाया लेकिन इससे पहले ही प्रमोद ने दम तोड़ दिया।

अधिकारियों द्वारा राजनैतिक दलों के साथ बैठक करके उन्हें एसआईआर की प्रक्रिया और आयोजन के निर्णयों की जानकारी दे दी गई है। साथ ही सभी राजनैतिक दलों से ब्यूरो लेवल एजेंट नियुक्त करने के अनुरोध भी किया गया है, जो पुनरीक्षण कार्यों में वीएलए का सहयोग करेंगे। इससे में यह पाया गया कि सभी जिलों द्वारा गणना प्रपत्र की छपाई का कार्य पूर्ण

जटिल सर्जरी कर युवती के जीवन को दिया नया मोड़

नई दिल्ली। धर्मशिला नारायणा अस्पताल के गान्धेकोलॉजी ऑन्कोलॉजी विभाग की प्रमुख डॉ. रमिषा रेखा बेरा के नेतृत्व में एक विशेषज्ञ टीम ने 19 वर्षीय युवती रिया (नाम बदलवा हुआ नाम) के जीवन को नया आयाम दिया है। दशअसल कुछ दिनों पहले रिया को जब अस्पताल लाया गया तो कुछ जख्मी जांच करने पर उसके पेट में घुटझिल के अकार जिनका ट्यूमर पाया गया। डॉक्टर रमिषा के नेतृत्व वाली टीम ने रिया का ऑपरेशन कर ट्यूमर निकालने का फैसला किया और उसे सफलतापूर्वक हटा भी दिया गया।

► **यह थी चुनौती:** रिया के पेट में मौजूद ट्यूमर का आकार 30 x 26 सेंटीमीटर का था जो पेट के अधिकांश हिस्से में फैल चुका था। इसकी वजह से रिया कि जान तो खतरे में थी ही साथ ही उससे उसकी प्रजनन क्षमता भी प्रभावित होने कि सम्भावना बन रही थी।

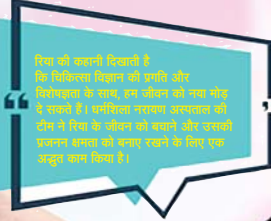
► **सर्जनी की जटिलता:** सर्जनी सम्बन्धी चुनौतियों के मोर्चेपर टीम ने ट्यूमर को हटाने के लिए एक जटिल प्रक्रिया अपनाई। उन्होंने ट्यूमर हटाने समय रिया की प्रजनन क्षमता को बनाए रखने के लिए विशेष ध्यान दिया। सर्जरी के दौरान, टीम हमने उसकी प्रजनन क्षमता को बनाए रखने

ने ट्यूमर के साथ-साथ उसके आसपास के ऊतकों को भी सावधानी से हटाया।

► **रिया की रिकवरी:** सर्जरी के बाद रिया की रिकवरी बहुत तेजी से हुई। वह 24 घंटे के भीतर बैठने और खाना खाने में सक्षम हो गईं। रिया की सकारात्मकता और सर्जनी टीम की विशेषज्ञता ने उसे जल्द ही ठीक होने में मदद की।

► **मफल सर्जरी सकारात्मक रहेगा:** रिया कि सफल सर्जरी करने वाली विशेषज्ञ डॉक्टर रमिषा रेखा बेरा ने कहा, "वह केस हमारे लिए एक बड़ी चुनौती थी।

के लिए विशेष ध्यान दिया और हमें खुशी है कि हम उसे एक नया जीवन देने में सफल रहे। डॉक्टर बेरा ने आगे कहा, "रिया ने इसी साल नीट कि परीक्षा पास की डॉक्टर बनने का सपना देखने वाली रिया को पता नहीं चला कि वह खुद एक भीमर समस्या कि चपेट में है। लेकिन सुखद है कि समय पर उसकी सर्जनी हो गई निश्चय ही एक दिन वह डॉक्टर बनकर लोगों का इलाज करेगी साथ ही मातुल सुख भी उठा सकती।

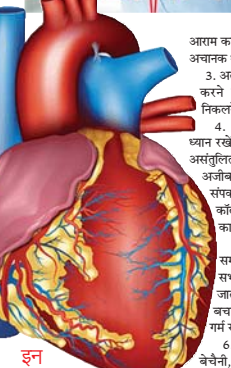


सर्दियों में खास करके रखें दिल का ख्याल

तेजी से करवट लेता मौसम कई लोगों के लिए राहत तो कई लोगों के लिए स्वास्थ्य की समस्याएं लेकर आता है। सर्दियों के मौसम का पुरा मजा लेने के लिए सही ध्यान रखना जरूरी है। यह माना हुआ तथ्य है कि दिल के दौर, कार्डियक अरेस्ट और दिमाग के दौर से काफी सारी मौतें सर्दियों में ही होती हैं। सर्दियों में दिन छोटा हो जाने से शरीर के हार्मोन्स के संतुलन पर असर पड़ता है और विटामिन डी की कमी हो जाती है जिससे दिल का दौरा पड़ने की संभावना बन जाती है। ठंडा मौसम तनाव को भी बढ़ावा देता है, खास कर उम्रदराज लोगों में तनाव और हाइपरटेंशन बढ़ जाता है। सर्दियों के अवसाद से घुल लो लोगों को अत्यधिक चीनी, ट्रांस फैट और सोडियम वाले भोजन खाने देखा गया है जो मधुमेह और उच्च रक्तचाप के मरीजों के लिए खतरनाक हो सकता है।



हाट केयर फाउंडेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष पद्मजी डाॅ. के. अश्वाल का कहना है, 'सर्दियों में होने वाले दिल के रोगों की गंभीर समस्याओं को अपनी आदतों में बदलाव लाकर आसानी से रोका और संभाला जा सकता है। दिल के लिए सेहतमंद आहार लेना चाहिए और ज्यादा खाने से बचना चाहिए।



आराम करते रहें ताकि चलते वक अचानक थकान महसूस न हो।
3. अत्यधिक ठंडे मौसम में सैर करने न जाएं, बल्कि सुबह निकलने के बाद सैर करने जाएं।
4. अपने कालिस्ट्रॉल का ध्यान रखें, क्योंकि सर्दियों में वह असंतुलित हो सकता है। कुछ भी अजीब होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें, क्योंकि ज्यादा कालिस्ट्रॉल से दिल के दौरा का खतरा बढ़ जाता है।
5. हाईपोथर्मिया ऐसी समस्या है जो सर्दियों में सभी दिल के मरीजों को हो जाती है। इसके खतरे से बचने के लिए आप खुद को गर्म रखें।
6. सीने में हल्की सी भी बेचैनी, पसीना, ज्वरेह, गर्दन, बाजू और कंधों में दर्द, सांस का दृटना बिजकुल नजर अंदाज न करें। इन लक्षणों के नजर आने पर तुरंत मेडिकल सहायता लें।
7. बचाव इलाज से हमेशा बेहतर होता है। थोड़ी सी सावधानी रख कर छुट्टियों के महीने मजे से और सेहतमंद दिल के साथ बिताए जा सकते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

1. दिल पर दबाव न डालें, नियमित तौर पर धूप में जाएं और उचित व्यायाम करें।
2. अत्यधिक व्यायाम मत करें क्योंकि ज्यादा थकान दिल पर दबाव डाल सकती है। थोड़ा-थोड़ा

लक्षणों को पहचान लें तो संभव है कैंसर का इलाज : डॉ. राहुल भार्गव



सर्दियों में भी आंखों के लिए जरूरी हैं धूप के चश्मे

दुनिया के लगभग कुछ ही देश ऐसे हैं, जहां मौसम के चार रूप होते हैं। भारत में चार मौसम का हम आनंद लेते हैं। ये मौसम का ही असर है जो हमारे फैशन व स्टाइल को बदल देते हैं। हर मौसम का अपना फैशन ट्रेंड होता है। सर्दियां बस आने ही वाली हैं ऐसे में हम बात करते हैं सूरज के किरणों की। गर्मियों में, तो हम अपने आंखों को चश्मे से इन नुकसानग्रस्त किरणों से बचा लेते हैं। मगर सर्दियों में हम इन किरणों को नजरअंदाज कर देते हैं। सच मानें तो सर्दियों में भी सूरज की किरणें हमारी आंखों के लिए नुकसानग्रस्त होती हैं। सर्दियों में भी हमें अपनी आंखों को उनका ही बचा कर रखना पड़ता है, जितना गर्मियों में। इसलिए सनग्लासेस यानी धूप के चश्मे बेहतर विकल्प है न सिर्फ गर्मियों में बल्कि वे चश्मे सर्दियों में भी आंखों की रक्षा करते हैं।

पेट्रोल प्रेम-नह किस्सी भी लुक के साथ मैच बनाता है। आपकी त्वचा का रंग चाहे जैसा भी हो, इह प्रेम हर रंग पर जंचता है। इस मौसम में यह टूट्टी है। अगर आपकी त्वचा रंग पहचाना संदे है, तो उनके साथ वे पेट्रोल प्रेम खूब जंपी। पेट्रोल रंग सर्दियों के हिसाब से सबसे परसदेव होता है। इसलिए जब भी घर से बाहर निकलें, अपनी लुक को इस प्रेम से निखालें।

आर-पा दिखने वाले चश्मे-लाल और नीले रंग के चश्मे वाले चश्मे अगर पहनने पहनने बोर हो गए हैं, तो इस मौसम कुछ अलग ट्राई करें। सुकलन, कॉपर कलर, ब्राउन कलर यह सब इस मौसम के खास रंगों में शामिल हैं। यह साफ नजर आने वाले चश्मे आपके लुक को बेहतर करने के साथ-साथ आपकी आंखों की भी बेहतर रक्षा करते हैं। डुड डिटेक्टिवेअर-इस रंग में आपका लुक बेहतर लगेगा।



बोते दिनों प्रकाशित एक अध्ययन की रिपोर्ट में बताया गया कि साल 2015 से 2019 के दौरान भारत में कैंसर के करीब सात लाख से अधिक मामलों सामने आए और इस भयावह बीमारी की वजह से लगभग 2.6 लाख मौतें भी हुईं। यह आंकड़ा निश्चय ही डराता है वह भी तब जबकि वैश्विक स्तर के साथ ही भारत में भी लोगों को कैंसर के प्रति जागरूक करने के लिए अनेक अभियान चलाए जा रहे हैं। इन्हीं अभियानों में से एक विशेष दिन आज यानी सात नवंबर का भी है। यह साल 2014 की बात है जब तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन ने 'राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस' की शुरुआत की थी। वैसे सात नवंबर का दिन चर्चित भौतिकी और रसायन विज्ञानी मैरी क्यूरी की जयंती के तौर पर भी मनाया जाता है जिन्होंने रेडियोधर्मिता की खोज की थी और रेडियोधर्मिता का कैंसर के उपचार में विकिरण ऑन्कोलॉजी या रेडियोथेरेपी के रूप में किया जा रहा है जिसमें शक्तिशाली विकिरण (जैसे एक्स-रे और गामा किरण) का उपयोग कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने या क्षतिग्रस्त करने के लिए किया जाता है। इस प्रक्रिया से कैंसर कोशिकाओं की रोकथाम की जाती है और उपचार की इस प्रक्रिया को या सर्जरी और कीमोथेरेपी के साथ मिलाकर किया जाता है।



इसमें कोई संदेह नहीं कि कैंसर एक खतरनाक बीमारी है, जो शरीर के किसी भी हिस्से में पैदा सकती है। कैंसर को लेकर किने गये अध्ययनों की बात करें तो भारत के पुरुषों में मुंह का कैंसर सबसे ज्यादा पाया जाता है और इसके बाद फेफड़ों और पार्श्व कैंसर के मामले देखने को मिलते हैं। वहीं महिलाओं में स्तन कैंसर की समस्या सबसे ज्यादा आती है और इसके बाद सर्वांगकल या ओवैरियन कैंसर की बात आती है। भारत के पुरुषों में कैंसर के मामले बढ़ने की सबसे बड़ी वजह व्यक्तिगत

रूप से हैं तम्बाकू और तम्बाकू जनित उत्पादों की मानता हूं। मुटका, पान, पान मसाला के अलावा सिगरेट और बीड़ी की जड़ में देश के नौजवान आ जाते हैं जो उनके स्वास्थ्य को प्रभावित करता है।

यही नहीं, बीड़ी व सिगरेट पीने वालों के आसपास जो लोग रहते हैं उनके शरीर में भी इन पदार्थों का धुआं पहुंचता है जो नुकसान पहुंचाता है। ऐसे में बेहतर यही है कि जो लोग तम्बाकू व इससे बने उत्पादों से बचे हुए हैं वे इनका इस्तेमाल करने वालों को छोड़ने के लिए प्रेरित करें।

इससे आप कुछ लोगों या किसी एक की नसे की लत छुड़वाने में तो भागीदार बनने ही साथ ही अन्य लोगों को भी स्वस्थ रख पाने में अपना योगदान दे सकते हैं। इसके अलावा देश की एक बड़ी आबादी ग्रामीण इलाकों में बसती है जहां उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव है। साथ ही जीवशरीरी और पर्यावरणीय कारकों के अलावा कैंसर का दर से पता लगने की वजह से इलाज असाध्य हो जाता है।

यह उपाय अपनावे जाएं

मैं केंद्र के साथ राज्य सरकारों से अपील करूंगा कि सबसे पहले तम्बाकू और तम्बाकू जनित पदार्थों की बिक्री नियंत्रित की जाए। कैंसर के जिन प्रारूपों के टीके उपलब्ध हैं उन्हें मुफ्त में लगवाये जाने की व्यवस्था की जाए। आयुष्मान भारत जैसी योजना से जन साधारण को काफी लाभ पहुंचा है ऐसे में इस योजना को सुदृढ़ करके कैंसर के सभी प्रारूपों को इसमें शामिल किया जाए। कैंसर के प्रति लोगों को और अधिक जागरूक करने और इससे संबंधी आंकड़ों को एकत्र करने के लिए राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम का विस्तार किया जाए। इसमें कोई दो राय नहीं कि कोविड जैसी महामारी को हराने के लिए हमारे देश के वैज्ञानिकों ने स्पेडरी टीके का आविष्कार किया, ऐसे में कैंसर को हराने के लिए केंद्र सरकार अनुसंधान पर किये जाने वाले व्यय में परिगर्जन करें। अंत में मैं यही कहूंगा कि कैंसर को मृत्यु का द्वार न समझे मौजूदा समय में चिकित्सा क्षेत्र ने हदनी प्रगति कर ली है कि इसका इलाज किया जा सकता है और इसका रोगी व परिवार हिम्मत से काम ले इस बीमारी पर जीत हासिल की जा सकती है।

चर्चित पत्रिका लैसेट हवरा 'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज' नाम से हालही में एक रिपोर्ट प्रकाशित की गई जिसमें बताया गया कि वैश्विक स्तर पर जहां कैंसर के मामलों और इससे होने वाली मृत्यु दर में कमी आ रही है तो वहीं भारत में इसके मामलों में वृद्धि दर्ज की गई है। इसी रिपोर्ट के मुताबिक साल 2023 में भारत में आनुमानित तौर पर कैंसर के 15 लाख नए मामले और 12 लाख से अधिक मौतें दर्ज की गईं। ऐसे में इस रोग को लेकर जागरूकता फैलाना और अधिक जरूरी हो जाता है। निश्चय ही कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाने से इसके जोखिम को कम किया जा सकेगा। लोगों को यदि इसके शुरुआती लक्षणों की पहचान के बारे में जानकारी होगी तो वे निश्चय ही विशेषज्ञों से संपर्क करेंगे जिससे उन्हें समय पर उपचार मिल सकेगा और रोग की रोकथाम करने में सरलता होगी। इसके अलावा मैं यह भी समझता हूं कि कैंसर पीड़ितों और उनके परिवारों को सरकारों की तरफ से भी समर्थन किये जाने की जरूरत है जिससे कि इलाज पर होने खर्च के अभाव में किसी की जान न जाय और उन्हें आर्थिक रूप से प्रोत्साहन मिल सके।